फरवरी २०१४

TODAY

(यूराशिया रेयूकाई का समाचार-पत्र)

संख्या २, अंक ८

रेयूकाई की शिक्षा का आधार कृतज्ञता है।
औरों की खुशी को अपनी खुशी बनायें।
ऐसा मानव संसार बनाने वाली
रेयूकाई शिक्षा है।

युशुन मासुनागा
संस्थापक अध्यक्ष, यूराशिया रेयूकाई

यूराशिया रेयूकाई २२वीं शाखा के मिहाता जिम्मेवार शिबुचो श्री भीमबहादुर गुरूंग जी की अपील

यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष जी की महान दया, प्रेम व कृपा ग्रहण करने का मौका पाकर कल्पों-कल्पों तक विरले ही प्राप्त होने वाले महान रेयूकाई शिक्षा से अवगत होने का मौका पाकर कृतज्ञ होकर हाथ-पैर एवं शरीर का प्रयोग कर समर्पित प्रयास करते हुए समर्पित अभ्यास कर ने का मौका प्राप्त किये हैं। यूराशिया रेयूकाई २२वीं शाखा की मिहाता की छांव में रहकर २२वीं शाखा के सिद्धांतः नम्रता, ईमानदारी, आज्ञापालन एवं एकता सहित "सदैव हंसमुख युवा" की छवि लेकर हम कार्यान्वयन करने का महान् मौका प्राप्त कर रहे हैं। यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशन को स्वयं द्वारा कार्यान्वयन कर, कार्यान्वयन कराकर समयानुसार के अभ्यास करने का मौका पाकर, कर्म के सम्बन्ध रहने वाले नेपाल एवं भारत देश में रहने वाले सदस्यों के साथ-साथ एकजुट होकर, कृतज्ञता को आधार बनाकर, आज का स्वयं बनने का मौका पाकर समाज विकास में योगदान दे सकने वाले व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा तैयार कर सकने के लिए अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रहे हैं। रेयूकाई की महान् शिक्षा से अपने अभिभावकों, पूर्वजों एवं देश के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहकर पूर्वजों के संतति को भी इस कार्य में लगाने के गुण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर सकने लायक करने का मौका प्राप्त कर रहे हैं।

सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र की शिक्षा को कार्यान्वयन करते हुए "चलें मिलियन, तुरंत कार्यान्वयन" अभियान का कार्यान्वयन कर पूर्वजों को केन्द्रबिन्दु बनाकर जीवनयापन करने वाला घर-परिवार निर्माण कर पुण्य संचित करने का महान मौका प्राप्त कर रहे हैं। युवा, महिला एवं बालक-बालिकाओं के साथ-साथ अभ्यास कर यूराशिया रेयूकाई २२वीं शाखा की जिम्मेवारी और कर्तव्य को पूरा करने के लिए दत्तचित्त होकर क्रियाशील होने का मौका प्राप्त कर रहे हैं। हम सब कृतज्ञता की भावना लेकर एकजन भी हो सके, ज्यादा समाज के लिए सदुपयोग होने वाले उदाहरणीय व्यक्ति बनकर यूराशिया महाद्वीप में बुद्ध की शिक्षा के फूल खिलाने के लिए एकजुट होकर कार्यान्वयन कर कार्यान्वयन कराकर परिणाम दिखायें।

यूराशिया रेयूकाई २२वीं शाखा का भवन

यूराशिया रेयूकाई महिला विकास शिक्कोबु जिम्मेवारकर्ता श्रीमती दुर्गा गुरूंग की अपील

यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष दंपती जी की महादया को ग्रहण करने का मौका पाकर यूराशिया रेयूकाई २२वीं शाखा की मिहाता की छांव में रहकर नेपाल एवं भारत देश के सदस्यों के साथ-साथ अभ्यास करने के मौका के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ। २१ जनवरी १९९३ को मेरे शिबु के संरक्षक देव को अपने घर के गोहोजा में स्वागत करने का महान मौका प्राप्त करने के बाद मैंने स्पाउस शिबुचो के रुप में अपनी जिम्मेवारी और कर्तव्य को महसूस करने का मौका पाया।

मेरे शिबुचो से कर्म का सम्बन्ध रहने वाली महिला सदस्यों की परवरिश कर सदस्यों की खुशी के लिए यह शिक्षा महान् है, इस बात को महसूस कर संस्थापक जी के मार्गनिर्देशन को सदस्यों में प्रवाहित करने का मौका पाकर श्रीमान् एवं सदस्यों के साथ-साथ आगे बढने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। अपनी जैसी अनेक महिलाओं को रेयूकाई शिक्षा में आबद्ध कराकर घर से बाहर निकलने का मौका पाकर होजाइन, जुन होजाशु, होजाशु, जुन शिबुचो और शिबुचो के रुप में परवरिश करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ।

पूर्वज स्मरण, कर्म के सम्बन्धों का शुद्धिकरण एवं प्रायश्चित अभ्यास के माध्यम से अपने में अवस्थित बुरे चरित्र को परिवर्तन कर अंतरात्मा का विकास कर अपने जैसे ज्यादा से ज्यादा महिला सदस्यों का निर्माण करता जायें।

महिलाओं में रहने वाले ज्ञान, दक्षता एवं क्षमता को केवल घर के अंदर ही सीमित न रखते हुए उन्हें समाज की ओर लगाने का कार्य करते हुए, बच्चे भविष्य के कर्णधार हैं, उनमें बचपन से ही अभिभावक भक्ति, समाज भक्ति और देशभक्ति की भावना जगाकर, रेयूकाई की शिक्षा को कार्यान्वयन कर, कार्यान्वयन कराकर परिणाम दिखाने के लिए यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष जी के मार्गनिर्देशन - एकवाद में विश्वास कर, एकवाद में प्रवेश कर, एकवाद के कार्यान्वयन के परिणाम को अपने रहने वाले क्षेत्र में दिखाना आवश्यक है। कृतज्ञता ही रेयूकाई शिक्षा का आधार होने के कारण महान शिक्षा के प्रति कृतज्ञ होकर समुन्नत समाज का निर्माण करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करते हुए "चलें मिलियन, तुरंत कार्यान्वयन" अभियान में स्वयं क्रियाशील होकर अपने रहने वाले घर, समाज की ओर जाकर अपने हाथ-पैरों का प्रयोग कर मिचिबिकी करने का मौका पाकर औरों को भी कार्यान्वयन कराकर यूराशिया महाद्वीप को बचाने के लिए अग्रसर होकर परिणाम और उसका प्रतिफल दिखायें।

जापान भ्रमण अभ्यास

जापान रेयूकाई ८वीं शाखा के आमंत्रण पर यूराशिया रेयूकाई की मिहाता के नेतृत्व में यूराशिया रेयूकाई द्वारा ५ लीडर्स २३ जनवरी २०१४ से ३१ जनवरी २०१४ तक जापान भ्रमण अभ्यास में जाने का मौका प्राप्त किये। इस भ्रमण टोली में रहने वाले लीडर्स ने २६ जनवरी २०१४ को जापान रेयूकाई ८वीं शाखा द्वारा आयोजित भव्य मिलन समारोह में सहभागी होने का मौका प्राप्त किया। साथ ही जापान स्थित विभिन्न क्षेत्रों का भी अवलोकन भ्रमण कर वापस स्वदेश लौटे।

भारत के गणतंत्र दिवस के अवसर पर फुटबॉल प्रतियोगिता

यूराशिया रेयूकाई समाज केन्द्र सिलीगुड़ी एवं ब्यॉएज क्लब बंकिमनगर के संयुक्त आयोजन में भारत के ६५वें गणतंत्र दिवस समारोह के शुभदिन स्थानीय भोटिया मैदान में फुटबॉल प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम भव्य रूप में आयोजित किया गया।

उक्त समारोह के अवसर पर स्थानीय कलाकारों ने विभिन्न आकर्षक देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य आकर्षक के रूप में आयोजित एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता में १२ स्थानीय टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में शिवमंदिर चैम्पियन बना। विजेता टीम, उप विजेता टीम एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।